ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 11-06-2024

लखीसराय(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-06-11 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-06-12	2024-06-13	2024-06-14	2024-06-15	2024-06-16
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	10.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	42.0	42.0	43.0	41.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	27.0	27.0	26.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	60	60	65	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	20	20	20	20
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	15	15	15	20	20
पवन दिशा (डिग्री)	70	70	60	70	80
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	1	2	2	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार,12 से 13 जून के मध्य आसमान में हल्के बादल एवं मौसम शुष्क रहने की संभावना हैं एवं 14 से 15 जून के दौरान जिले के एक दो स्थानों पर हल्की वर्षा/ बूंदा बांदी, की संभावना हैं। • 12-13 जून के दौरान लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39-42 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 25-27 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है। • सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 55 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है। • पूर्वानुमान की अवधि में 15-20 किमी/घंटा की रफ्तार से पुरबा हवा चल सकती है।

सामान्य सलाहकार:

गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में कीट-व्याधियों की बराबर निगरानी करते रहें। प्रकोप दिखने पर अनुशंसित दवा का छिड़काव करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आकाशीय बिजली से सुरक्षा हेतु अलर्ट हेतु "दामिनी" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	मध्यम अवधि वाले धान की किस्मों की बीजस्थली स्थापित करें। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800-1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई 1.25-1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
हल्दी	हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुषंसित है। हल्दी के लिए बीज दर 20 से 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा अदरक के लिए 18 से 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार 30-35 ग्राम जिसमें 3 से 5 स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30 X20 से0मी0 रखे। बीज को उपचारित करने के बाद बुआई करें।
लीची	लीची तोड़ने के बाद लीची के बाग की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्राम यूरिया, 1.5 किलोग्राम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्राम म्युरेट आॅफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को पेड़ के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। गलाघोटू एवं लंगड़ी रोग से बचाव के लिए पशुओं को टीकाकरण कराने की आवश्यकता है।